

an>

title: Need to take steps for employment security for domestice workers in the country.

डॉ. वीरिन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : अध्यक्ष महोदया, घरों में काम करने वाली जो महिलाएं होती हैं, मैं उनके संवेदनशील विषय को आपके माध्यम से सदन में उठाना चाहता हूं। महिलाएं घरों में कपड़े धोने के लिए, बर्तन मांझने के लिए और झाड़ू-पोंछा लगाने के लिए जाती हैं, लेकिन अवैध प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल से बड़ी संख्या में दिल्ली और महानगरों में लाया जाता है, जहां न उनके रहने का ठिकाना होता है, न न्यूनतम मजदूरी का ठिकाना होता है। अगर वे अस्वस्थ हो जाएं तो चिकित्सा की कोई व्यवस्था नहीं होती। विदेशों में ले जाते हैं तो उनका वीज़ा और पासपोर्ट रखा लिया जाता है। मध्य प्रदेश सरकार ने कामकाजी महिलाओं के लिए काफी कदम उठाए हैं। आदर्शनीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली हमारी बहनों के संरक्षण के लिए काफी कदम उठाए हैं।

मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए दिल्ली तथा अन्य राज्य सरकारों के सहयोग से उन्हें न्यूनतम मजदूरी, आवास पहचान पत्र, चिकित्सा सुविधाएं तथा सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ रजिस्टर्ड प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से नौकरी में नियोजन सुनिश्चित कराया जाए ताकि वे सुरक्षित वातावरण में अपना काम कर सकें।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री आलोक संजर,

श्रीमती सीती पाठक,

श्रीमती अंजू बाता,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्रीमती रेखा वर्मा को डॉ वीरिन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।